

प्रेषक,

मनीषा पंवार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तराखण्ड

चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-1

विषय:- राजकीय मेडिकल कॉलेज, श्रीनगर के अन्तर्गत रुरल ट्रेनिंग सेन्टर, कीर्तिनगर में मैस फैसिलिटी के अनुरक्षण कार्यो हेतु प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-7प/1/मे0का0/30/2013/16673 दिनांक 01.07.2013 के कम में राजकीय मेडिकल कॉलेज, श्रीनगर के अन्तर्गत राजकीय मेडिकल कॉलेज, श्रीनगर के अन्तर्गत रुरल ट्रेनिंग सेन्टर, कीर्तिनगर में मैस फैसिलिटी के अनुरक्षण कार्यो हेतु टी०ए०सी० वित्त द्वारा सिविल कार्यो के लिए औचित्यपूर्ण पायी गयी धनराशि ₹ 5.20 लाख एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली के अन्तर्गत कार्यवाही किये जाने हेतु औचित्यपूर्ण पायी गयी धनराशि ₹ 2.06 लाख अर्थात् कुल ₹ 07.26 लाख की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए उक्त के सापेक्ष शासनादेश संख्या-912/XXVIII(1)/2013-Budget-01/2012 दिनांक 12.04.2013 द्वारा आपके निर्वतन में रखी गयी धनराशि ₹ 1.00 करोड़ में से ₹ 7.26 लाख की धनराशि चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 में व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- i. उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली के अन्तर्गत की जाने वाली कार्यवाही चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के कार्यालय ज्ञाप संख्या-118/XXVIII(1)/2014-32/2009 T.C. IV दिनांक 07.01.2014 से गठित क्रय समिति द्वारा उक्त कार्यालय ज्ञाप में दिये गये दिशा-निर्देशों के अनुसार की जायेगी।
- ii. उक्त व्यय उसी मद में किया जायेगा, जिसके लिए स्वीकृत किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में समस्त प्रचलित वित्तीय नियमों/शासनादेशों का पालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- iii. भुगतान करने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य एम०सी०आई० के मानकों के अनुरूप है एवं तदनुसार ही सम्पादित किये जायेंगे।
- iv. उक्तानुसार अनुमन्य की जा रही धनराशि वर्णित सम्पूर्ण कार्य हेतु अधिकतम व्यय सीमा मात्र को प्राधिकृत करता है परन्तु धनराशि कार्यदायी संस्था को आवंटित किये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि धनराशि का उपयोग नियमानुसार पूर्ण पारदर्शी प्रक्रिया से किया गया हो एवं स्वीकृत धनराशि आवश्यकतानुसार आहरित कर कार्यदायी संस्था को उपलब्ध करायी जायेगी।
- v. उक्त कार्य के संबंध में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या:-475 / XXVII(7)/2008, दिनांक 15.12.2008 के अनुसार निर्धारित प्रारूप पर कार्यदायी संस्था से समझौता ज्ञापन (एम०ओ०य००) अवश्य हस्ताक्षरित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। कार्यदायी संस्था को आवश्यक धनराशि एम०ओ०य०० के निष्पादन के बाद अवमुक्त की जा सकेगी। कार्य एम०ओ०य०० में निर्धारित समय सारिणी के अनुसार किया जायेगा तथा एम०ओ०य०० में निर्धारित शर्त के अनुसार परियोजना के पूर्ण करने की अवधि में लागत पुनरीक्षण की अनुमति नहीं दी जायेगी। निर्माण कार्य को समयबद्ध रूप से पूर्ण किये जाने का समस्त उत्तरदायित्व निदेशक, चिकित्सा शिक्षा, उत्तराखण्ड का होगा तथा परियोजना को पूर्ण करने या उसकी प्रगति में विलम्ब की स्थिति में समझौता ज्ञापन (एम०ओ०य००) के प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

क्रमशः पेज-02.....

vi. कार्यदायी संस्था को सैन्टेज प्रभार शासनादेश सं0-163 / XXVII(7)/2007 दिनांक 22.05.2008 एवं इस सम्बन्ध में नियोजन विभाग के नवीनतम शासनादेशों के अनुसार देय होगा।

vii. कार्यदायी संस्था द्वारा समय से कार्य पूरा न करने की दशा में debit able आधार पर अन्य एजेन्सी का अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के अन्तर्गत नियमानुसार चयन कर अनुरक्षण कार्य पूरा किया जायेगा। स्वीकृत निर्माण कार्य को किसी भी दशा में, शासन की पूर्वानुमति के बिना, अपूर्ण अवस्था में समाप्त नहीं किया जायेगा।

viii. कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।

ix. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।

x. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि से मददेनजर रखते हुए एवं लोनिंगिं द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

xi. कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्य स्थल का भली-भौति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाए ताकि निरीक्षण के पश्चात् दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाए।

xii. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047 / XIV-219(2006) दिनांक 30. 05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन कराया जाए।

xiii. कार्यदायी संस्था कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर ले कि कार्य स्वीकृत लागत में ही पूर्ण कराया जायेगा तथा किसी भी दशा में लागत पुनरीक्षित नहीं की जायेगी।

xiv. स्वीकृत धनराशि के आहरण से सम्बन्धित वाउचर संख्या एवं दिनांक की सूचना तत्काल उपलब्ध कराई जायेगी तथा धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्राविधानों में बजट मैनुअल तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

xv. आगणन को जिन मदों हेतु राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाये, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाये।

xvi. स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या हर दशा में माह की 07 तारीख तक निर्धारित प्रारूप पर शासन को उपलब्ध कराई जायेगी।

xvii. कार्यदायी संस्था यह सुनिश्चित कर ले कि योजना हेतु किये जाने वाले कार्य आवंटन/निविदा/आउटसोर्स आदि की सूचना वेबसाइट पर प्रकाशित किये जाने हेतु समय-समय पर सूचनाएं चिकित्सा शिक्षा विभाग को उपलब्ध करायी जायेंगी।

xviii. धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार अथवा मितव्ययता को ध्यान में रखकर किया जाये।

2— इस सम्बन्ध में होने वाला चालू वित्तीय वर्ष 2013–14 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-12 के लेखाशीर्षक-2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य-आयोजनागत-05-चिकित्सा, शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान-105-पाश्चात्य चिकित्सा पद्धति-04-मेडिकल कालेज-01-श्रीनगर मेडिकल कालेज की स्थापना के मानक मद-29-अनुरक्षण के नामे डाला जायेगा।

3— यह आदेश वित्त विभाग के अशा० सं०-136(P)/XXVII(3)/2013-14, दिनांक 22 जनवरी, 2014 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीया,

(मनीषा पंवार)
सचिव।

संख्या एवं दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल।
- 3- जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल।
- 4- निदेशक, चिकित्सा शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड।
- 5- निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
- 6- संबंधित कोषाधिकारी।
- 7- महाप्रबन्धक, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड, देहरादून।
- 8- अपर परियोजना प्रबंधक, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड, श्रीनगर, इकाई-02।
- 9- बजट प्रकोष्ठ, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 10- वित्त अनुभाग-3/नियोजन विभाग/एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर।
- 11- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

मायावती
(मायावती ढकरियाल)
उप सचिव।